

राजनीतिक द्वेष से न रुकें काम : इंद्रदत्त लखनपाल

कहा- सीएम ने ए कहने से कार्य न करें, लेकिन पार्टी के लोगों के कहने से तो कर ही सकते हैं

हमीरपुर जिले के बड़सर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक इंद्रदत्त लखनपाल अपने इलाके की समस्याओं को लेकर बेहद संजीव हैं। उनका कहना है कि जो घोषणाएं मुख्यमंत्री ने बेबट और उसके बाद क्षेत्र के दौरे के दौरान कीं, वे पूर्ण हीनी चाहिए। भल ही मुख्यमंत्री में कहने से कार्य न करें लेकिन अपनी पार्टी के लोगों के कहने से तो कर ही सकते हैं। क्योंकि इसमें आपका जनता की ही भला होना है।

सचाव: सरकार कांग्रेस की ही और आप भाजपा विधायक।

जवाब: देखिए, विकास कैसे होगा?

मैं राजनीति नहीं होनी चाहिए।

वैसे भी बड़सर क्षेत्र किन्हीं कारणों से पछड़ा ही रह गया है। जिन्हें काम वहाँ होने चाहिए थे, वे राजनीतिक द्वेष के चलते नहीं हो पाए। प्रदेश के मुख्यमंत्री को पुराने सारे राजनीतिक द्वेष के चलते नहीं हो पाए।

सचाव: आप तीन मर्तवा कांग्रेस

के विधायक रहे, फिर अपरेशन लोटस का सहारा

बचों लेना पड़ा?

जवाब: जब चुने हुए प्रतिनिधि की

अनदेखी ही, कोई न सने, तो

इस तरह का राजनीतिक फैसला

लेना भी पड़ता है। अब जो होना

था, वह ही चुका है। मुख्यमंत्री

को पुरानी सारी बातें भूल जानी

चाहिए। राजनीति का नया

माहौल बन चुका है।

सचाव: कौन से कार्य लटके हैं

आपके क्षेत्र में। आपकी नजर



विशेष बातचीत

में 'आदर्श' विस्त्रित के मार्ग में वापावाधा हैं?

जवाब: मुख्य रूप से मैंहरे और भाजा में बस अड़ों का निर्माण लटका हुआ है। भोटा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी दर्जे के मुताबिक हाना चाहिए।

जो संस्थान डी-नोटिफाई किए गए हैं, उनकी

नोटिफिकेशन फिर से हो। जिन संस्थाओं को अपग्रेड करने का ऐलान हो चुका है उनमें देरी नहीं होनी चाहिए। एफआरए के मामले भी बेवजह से लटक पड़े हैं, उन्हें भी तल्लद हल किया जाना चाहिए, क्योंकि जनता का दिव उन्हें के साथ जुड़ा हुआ है।

सचाव: किंहानी घोषणाएं हुई हैं अभी तक पूरी?

जवाब: पीडब्ल्यूडी का सब-डिवीजन बिजड़ी में खुल गया है। आर्टीपीएच का अभी नहीं खुला। कार्युनिटी हेल्पर्स रेटर का काम दो साल से पैंडिंग है। एक ईंट तक उसमें नहीं लगी। बड़सर के मिनी सचिवालय का

मिलना चाहिए, ताकि यह बनकर तैयार हो जाए।

सचाव: दिवोटसिद्ध मंदिर द्रस्ट की स्थिति क्या है? वहाँ जिन्हीं डेवलपमेंट होनी चाहिए थी, क्यों नहीं हो पाई है?

जवाब: दरअसल, दोयोटसिद्ध मंदिर द्रुट राजनीति का अखाड़ा बन चुका है। यहाँ अपने लोगों को बिनाने के अलावा और कोई काम नहीं हुआ। हारे हुए लोगों को भी इसमें तरजीह दी जाती है। जबकि चुने हुए लोगों को महत्व मिलना चाहिए। पिछले कई वर्षों से यहाँ बहुत कुछ लल चल रहा है। जबकि काढ़ हो या राशन मामला इनके उत्तराग्रह होने

मिलना चाहिए, ताकि यह बनकर तैयार हो जाए।

सचाव: दिवोटसिद्ध मंदिर द्रस्ट की स्थिति क्या है? वहाँ जिन्हीं डेवलपमेंट होनी चाहिए थी, क्यों नहीं हो पाई है?

जवाब: दरअसल, दोयोटसिद्ध मंदिर द्रुट राजनीति का अखाड़ा बन चुका है। यहाँ अपने लोगों को बिनाने के अलावा और कोई काम नहीं हुआ। हारे हुए लोगों को भी इसमें तरजीह दी जाती है। जबकि चुने हुए लोगों को महत्व मिलना चाहिए। पिछले कई वर्षों से यहाँ बहुत कुछ लल चल रहा है। जबकि काढ़ हो या राशन मामला इनके उत्तराग्रह होने

मिलना चाहिए, ताकि यह बनकर तैयार हो जाए।

सचाव: किंहानी घोषणाएं हुई हैं अभी तक पूरी?

जवाब: पीडब्ल्यूडी का सब-

डिवीजन बिजड़ी में खुल गया है। आर्टीपीएच का अभी नहीं खुला। कार्युनिटी हेल्पर्स रेटर का काम दो साल से पैंडिंग है। एक ईंट तक उसमें नहीं लगी। बड़सर के मिनी सचिवालय का

मिलना चाहिए, ताकि यह बनकर तैयार हो जाए।

सचाव: किंहानी घोषणाएं हुई हैं अभी तक पूरी?

जवाब: पीडब्ल्यूडी का सब-

डिवीजन बिजड़ी में खुल गया है। आर्टीपीएच का अभी नहीं खुला। कार्युनिटी हेल्पर्स रेटर का काम दो साल से पैंडिंग है। एक ईंट तक उसमें नहीं लगी। बड़सर के मिनी सचिवालय का

मिलना चाहिए, ताकि यह बनकर तैयार हो जाए।

सचाव: किंहानी घोषणाएं हुई हैं अभी तक पूरी?

जवाब: पीडब्ल्यूडी का सब-

डिवीजन बिजड़ी में खुल गया है। आर्टीपीएच का अभी नहीं खुला। कार्युनिटी हेल्पर्स रेटर का काम दो साल से पैंडिंग है। एक ईंट तक उसमें नहीं लगी। बड़सर के मिनी सचिवालय का

मिलना चाहिए, ताकि यह बनकर तैयार हो जाए।

सचाव: किंहानी घोषणाएं हुई हैं अभी तक पूरी?

जवाब: पीडब्ल्यूडी का सब-

डिवीजन बिजड़ी में खुल गया है। आर्टीपीएच का अभी नहीं खुला। कार्युनिटी हेल्पर्स रेटर का काम दो साल से पैंडिंग है। एक ईंट तक उसमें नहीं लगी। बड़सर के मिनी सचिवालय का

मिलना चाहिए, ताकि यह बनकर तैयार हो जाए।

सचाव: किंहानी घोषणाएं हुई हैं अभी तक पूरी?

जवाब: पीडब्ल्यूडी का सब-

डिवीजन बिजड़ी में खुल गया है। आर्टीपीएच का अभी नहीं खुला। कार्युनिटी हेल्पर्स रेटर का काम दो साल से पैंडिंग है। एक ईंट तक उसमें नहीं लगी। बड़सर के मिनी सचिवालय का

मिलना चाहिए, ताकि यह बनकर तैयार हो जाए।

सचाव: किंहानी घोषणाएं हुई हैं अभी तक पूरी?

जवाब: पीडब्ल्यूडी का सब-

डिवीजन बिजड़ी में खुल गया है। आर्टीपीएच का अभी नहीं खुला। कार्युनिटी हेल्पर्स रेटर का काम दो साल से पैंडिंग है। एक ईंट तक उसमें नहीं लगी। बड़सर के मिनी सचिवालय का

मिलना चाहिए, ताकि यह बनकर तैयार हो जाए।

सचाव: किंहानी घोषणाएं हुई हैं अभी तक पूरी?

जवाब: पीडब्ल्यूडी का सब-

डिवीजन बिजड़ी में खुल गया है। आर्टीपीएच का अभी नहीं खुला। कार्युनिटी हेल्पर्स रेटर का काम दो साल से पैंडिंग है। एक ईंट तक उसमें नहीं लगी। बड़सर के मिनी सचिवालय का

मिलना चाहिए, ताकि यह बनकर तैयार हो जाए।

सचाव: किंहानी घोषणाएं हुई हैं अभी तक पूरी?

जवाब: पीडब्ल्यूडी का सब-

डिवीजन बिजड़ी में खुल गया है। आर्टीपीएच का अभी नहीं खुला। कार्युनिटी हेल्पर्स रेटर का काम दो साल से पैंडिंग है। एक ईंट तक उसमें नहीं लगी। बड़सर के मिनी सचिवालय का

मिलना चाहिए, ताकि यह बनकर तैयार हो जाए।

सचाव: किंहानी घोषणाएं हुई हैं अभी तक पूरी?

जवाब: पीडब्ल्यूडी का सब-

डिवीजन बिजड़ी में खुल गया है। आर्टीपीएच का अभी नहीं खुला। कार्युनिटी हेल्पर्स रेटर का काम दो साल से पैंडिंग है। एक ईंट तक उसमें नहीं लगी। बड़सर के मिनी सचिवालय का

मिलना चाहिए, ताकि यह बनकर तैयार हो जाए।

सचाव: किंहानी घोषणाएं हुई हैं अभी तक पूरी?

जवाब: पीडब्ल्यूडी का सब-

डिवीजन बिजड़ी में खुल गया है। आर्टीपीएच का अभी नहीं खुला।

